Patrika (Indore), 2nd September 2022, Page-05

अतिथियों ने कहा-बहुत कुछ दे सकते हैं दुनिया को

आइआइटी और आइआइएम में गूंज रहे संस्कृत के शब्द

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी और आइआइएम में संस्कृत भाषा को लेकर उत्साह दिख रहा है। दोनों संस्थानों में संस्कृत भाषा को सरल रूप में सीखने के लिए दैनिक कक्षा शुरू हुई। गुरुवार को शुभारंभ अवसर पर संस्थाओं में आयोजित कार्यक्रमों में अतिथियों ने कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है। इसमें जो ज्ञान का अगाध सागर विराजमान है, उसकी कोई तुलना नहीं। बात चाहे मैक्स म्युलर की हो या आर्थर बी. कीथ की, विश्वभर के कई विद्वानों ने इस भाषा के महत्व को स्वीकारते हुए आत्मसात किया। इसमें कला, साहित्य, दर्शन के साथ ही विज्ञान और प्रबंधन के संबंध में पाठ्यसामग्री उपलब्ध है। यदि इनका ठीक ढंग से अध्ययन किया जाए तो हम विश्व को बहुत कुछ दे सकते हैं।

संस्कृत शिक्षण केंद्र का शुभारंभ

आइआइटी में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माध्यम से अनौपचारिक शिक्षण केंद्र का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के मध्यक्षेत्र के संगठन मंत्री प्रमोद पंडित रहे। अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. सुहास जोशी ने की। इस दौरान वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. घंटी, सूर्य नारायण, अमरीश आदि मौजूद रहे। वहीं आइआइएम में स्व स्फूर्त होकर संस्कृत का अध्ययन केंद्र प्रारम्भ किया। मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक डॉ. हिमांशु राय रहे। विशेष अतिथि संस्कृत भारती मालवा प्रांत के सहशिक्षण प्रमुख प्रवेश वैष्णव रहे। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी कर्नल गुरुराज गोपीनाथ पामिडी, जयनाथ यादव, राजेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

कई वर्षों से चल रहा था संस्कृत भाषा को लेकर कार्य

सांस्कृतिक आर्थिक और राजनीतिक और स्वच्छता मामलों के अतिरिक्त है। शिक्षा के क्षेत्र में भी एक उत्कृष्ट नाम है। यह देश का एकमात्र ऐसा शहर है जहां पर आइआइटी और आइआइएम दोनों की स्थापना की गई है। इन दोनों संस्थाओं में संस्कृत भारती द्वारा लगातार पिछले कई वर्षों से संस्कृत भाषा को लेकर कार्य किया जा रहा है। कई विद्यार्थी और वरिष्ठ प्राध्यापक भी इस भाषा को ऑनलाइन और प्रत्यक्ष विधि से सीख रहे हैं। अब ऐसी स्थिति निर्मित हो गई है कि यहां पर संस्कृत का कोर्स प्रारम्भ कर दैनिक कक्षाएं आरंभ की जा रही हैं। विद्यार्थियों और शिक्षकों को संस्कृत भाषा प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम पर आधारित सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। संस्कृत भाषा के प्रति रूझान बढ़ रहा है।